

**गल** पुं. (तत्.) 1. गला, कंठ, गरदन 2. गडाकू नामक मछली 3. एक प्राचीन बाजे का नाम 4. रस्सी 5. साल का गोंद।

**गल कंबल** पुं. (तत्.) गाय-बैल के गले के नीचे लटकने वाला भाग, झालर, लहर।

**गलक** पुं. (तत्.) 1. गला 2. गडाकू मछली 3. मोती।

**गलका** पुं. (देश.) 1. एक प्रकार का फोड़ा जो हाथ या पाँव की उँगलियों के अगले भाग में होता है और बहुत कष्ट देता है 2. एक तरह का चाबुक, गल कोड़ा 3. कच्चे फल का शकर तथा मसालों से बनाया गया अचार।

**गलगंड** पुं. (तत्.) 1. गले का एक रोग, घेंघा 2. हरगीला नाम की चिड़िया।

**गलगला** वि. (देश.) 1. भीगा हुआ, आर्द्र, तर।

**गल गाजना** अ.क्रि. (देश.) खुशी से गरजना, गाल बजाना, बढ़-बढ़ कर बातें करना।

**गलगौज** पुं. (तत्.) बकबक, व्यर्थ विवाह, गप्पाष्टक।

**गलग्रह** पुं. (तत्.) 1. गला पकड़ना 2. कृष्ण पक्ष की कुछ तिथियाँ 3. मछली का काँटा 4. वह आपत्ति जो कठिनता से टले 5. गला घोटना 6. अध्ययन आरंभ होने पर उसमें बाधा पड़ना।

**गलछट** स्त्री. (देश.) मछली के गलफड़े के दोनों ओर की हड्डियों का बना भाग।

**गलजोत** स्त्री. (देश.) 1. वह रस्सी जिससे दो बैल एक साथ बाँधे जोते जाए 2. गले का हार।

**गलतंस** पुं. (तद्.) वह संपत्ति जिसका मालिक या वारिस न हो, निःसंतान मृत व्यक्ति।

**गलत** वि. (अर.) 1. अशुद्ध, भ्रममूलक 2. असत्य, मिथ्या, झूठ।

**गलतनामा** पुं. (अर.+फा.) अशुद्धियों का विवरण या परिशिष्ट, शुद्धि पत्र।

**गलतफहमी** स्त्री. (अर.+फा.) किसी ठीक बात को गलत समझना, भूल से कुछ का कुछ समझना, भ्रम।

**गलती** स्त्री. (अर.) 1. भूल, चूक, धोखा 2. भूल मुहा. गलती में पड़ना-धोखाखाना, भूल करना।

**गलदश्रु** स्त्री. (तत्.) रोते जाना, छोटी-छोटी बात पर आँसू बहाना।

**गलन** पुं. (तत्.) 1. बूँद-बूँद गिरना, चूना, टपकना, रिसना, क्षरण 2. झड़ना 3. गलना 4. पिघलना 5. सरकना।

**गलना** अ.क्रि. (तद्.) 1. ठोस वस्तु का तरल होना, पिघलना, कड़ी चीज का नरम होना, सीझना, घुलना, जीर्ण होना, सड़ना, दुबला होना, ठिठुरना, नष्ट होना 2. किसी पदार्थ के घनत्व का कम होना या नष्ट होना 3. बहुत जीर्ण होना 4. बहुत अधिक सर्दी के कारण हाथ-पैर का ठिठुरना 5. वृथा या निष्फल होना, बेकाम होना, नष्ट होना मुहा. रुपया गलना- व्यर्थ व्यय होना।

**गलपोटू** वि. (देश.) 1. गला घोटने वाला 2. अप्रिय।

**गलफड़ा** पुं. (देश.) 1. जल जंतुओं का वह स्वभाव जिससे वे पानी में साँस लेते हैं 2. गाल का चमड़ा।

**गलफाँसी** स्त्री. (देश.) 1. गले की फाँसी का फंद 2. कष्टदायक वस्तु या कार्य 3. मलखंभ की एक कसरत।

**गलबाँही** स्त्री. (तत्.) 1. गले में बाँह डालना, कंठालिंगन, गले से आलिंगन करना।

**गलमुच्छा** पुं. (देश.) दोनों गालों पर मूँछ की सीध में बढ़ाए हुए बाल, गल गुच्छा।

**गलल** पुं. (तद्.) गाल, कपोल।

**गलवाना** स.क्रि. (देश.) गलाने का काम कराना, गलाने में लगाना।

**गलशोथ** पुं. (तत्.) जुकाम आदि के कारण गले के भीतर होने वाली पीड़ा या सूजन।

**गल-स्तन** पुं. (तत्.) 1. गलथना, स्तन के आकार की पसली की थैलियाँ जो एक प्रकार की बकरियों के गले के दोनों ओर लटकती रहती हैं।